



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 16 जून 2003/26 ज्युलै, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

चम्बा-176310, 20 मई, 2003

संख्या पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-690-98. — जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, भरमौर के पत्र संख्या 4120, दिनांक 20-1-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्रीमती सन्तोष कुमारी, सदस्य, वार्ड 3, ग्राम पंचायत दियोल के दिनांक 13-12-02 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत दियोल के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण संख्या 40 के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत दियोल के परिवार नकल मुताबिक श्रीमती सन्तोष कुमारी, वार्ड-3, सदस्य, दियोल की यह पांचवीं जीवित सन्तान है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 की अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुए हैं जिसके फलस्वरूप श्रीमती सन्तोष कुमारी, सदस्य-3, ग्राम पंचायत दियोल के पद पर पदासीन रहने अयोग्य हो चुकी है।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच चम्बा-ए (16) 10/79-02-II-588, दिनांक 28-4-2003 द्वारा श्रीमती सन्तोष कुमारी, सदस्य, वार्ड-3, दियोल को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था परन्तु

उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करती है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती सन्तोष कुमारी, सदस्य, वार्ड-3 दिगोल, विकास खण्ड भरमौर के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत दिगोल का सदस्य-3 का पद रिक्त घोषित करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत दिगोल का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत दिगोल को सौंप दें।

चम्बा-176310, 20 मई, 2003

संख्या पंच चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-727-735.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, भटियात के पत्र संख्या 1818, दिनांक 30-11-2002 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्रीमती रानी देवी, सदस्य-1, पुखरेड ग्राम पंचायत ककरोटी के दिनांक 17-3-2002 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत ककरोटी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण संख्या 5 के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत ककरोटी के परिवार नकल मुताबिक श्रीमती रानी देवी, सदस्य-1 पुखरेड (ककरोटी) की यह तीसरी जीवित सन्तान है जो कि हि0 प्र0 पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा-122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्रीमती रानी देवी, सदस्य-1, पुखरेड, ग्राम पंचायत ककरोटी के पद पर पदासीन रहने अयोग्य हो चुकी हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच चम्बा-ए (16) 10/79-02-II-608, दिनांक 29-4-2003 द्वारा श्रीमती रानी, देवी सदस्य-1 पुखरेड को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करती है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती रानी देवी, सदस्य वार्ड-1, पुखरेड, विकास खण्ड भटियात, के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत ककरोटी का सदस्य, ककरोटी-1 पुखरेड पद रिक्त घोषित करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत ककरोटी का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत ककरोटी को सौंप दें।

चम्बा-176310, 20 मई, 2003

संख्या पंच-चम्बा-ए0 (16) 10/79-2002-II-709-717.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, तीसा के पत्र संख्या 2387, दिनांक 10-2-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्रीमती मान देई, सदस्य, वार्ड-3, ग्राम पंचायत सनवाल के दिनांक ..... को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत, सनवाल के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण संख्या 45 के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत, सनवाल के परिवार नकल मुताबिक श्रीमती मान देई, सदस्य, वार्ड-3, ग्राम पंचायत सनवाल की यह आठवीं जीवित सन्तान है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ण) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्रीमती मान देई, सदस्य, वार्ड-3, ग्राम पंचायत सनवाल के पद पर पदासीन रहने के अयोग्य हो चुकी है।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या चम्बा-ए० (16) 10/79-2002-II-602, दिनांक 28-4-2003 द्वारा श्रीमती मान देई, ग्राम पंचायत, सनवाल को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करती है।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 को धारा 131 (1) (क) तथा धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीमती मान देई, सदस्य, वार्ड-3, सनवाल, विकास खण्ड तीसा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत सनवाल का सदस्य, वार्ड-3 पद रिक्त घोषित करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत सनवाल का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत सनवाल को सौंप दें।

चम्बा-176310, 20 मई, 2003

संख्या पंच चम्बा-ए० (16) 10/79-2002-II-718-726.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, भरमौर के पत्र संख्या 2870, दिनांक 4-10-2002 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्री सुरेश कुमार, सदस्य-6, अप्पर, ग्राम पंचायत गरोला के दिनांक 7-9-2002 को एक अतिरिक्त संनान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत गरोला के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण संख्या 222 के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत गरोला के परिवार नकल मुताबिक सुरेश कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत गरोला, की यह तीसरी जीवित संनान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्री सुरेश कुमार, सदस्य, अप्पर गरोला, ग्राम पंचायत गरोला के पद पर पदासीन रहने अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच चम्बा-ए० (16) 10/79-2002-II-592-98, दिनांक 28-4-2003 द्वारा श्री सुरेश कुमार, सदस्य-6, वार्ड अप्पर गरोला को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उससे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री सुरेश कुमार, सदस्य, वार्ड-6, अप्पर गरोला, विकास खण्ड भरमौर के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत गरोला का सदस्य-6 पद रिक्त घोषित करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत गरोला का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत गरोला को सौंप दें।

चम्बा-176310, 20 मई 2002

संख्या पंच-चम्बा-ए० (16) 10/79-2002-II.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, भरमौर के पत्र संख्या 4120, दिनांक 20-1-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्री मदन लाल, सदस्य, वार्ड-4, ग्राम पंचायत दियोल के दिनांक 13-11-2001 को एक अतिरिक्त संनान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत दियोल के जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण संख्या 58 के अन्तर्गत दर्ज है तथा ग्राम पंचायत दियोल के परिवार नकल मुताबिक श्री मदन लाल, सदस्य, वार्ड 4, दियोल की यह तीसरी जीवित संनान है जो कि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधित) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड ग के प्रावधान लागू होने के दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है जिसके फलस्वरूप श्री मदन लाल, सदस्य, वार्ड, -4, ग्राम पंचायत दियोल के पद पर पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-02-II-581, दिनांक 28-4-2003 द्वारा श्री मदन लाल सदस्य, वार्ड-4, दियोल को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनसे इस बारे कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा यह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्रा0 प्र0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) (क) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मदन लाल, सदस्य वार्ड-4, दियोल, विकास खण्ड भरमौर के पद पर पदासीन रहना सम्मत रहता हूँ तथा ग्राम पंचायत दियोल का सदस्य-4 पद रिक्त घोषित करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत दियोल का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत दियोल को सौंप दें।

राहुल आनन्द,  
उपायुक्त,  
चम्बा, जिला चम्बा (हि0 प्र0)।

कार्यालय उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

असिसूचना

धर्मशाला, 3 मई, 2003

संख्या पंच-के0 जी0 आर0 (निर्वाचन) 29-1/2001-2445-51.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 126 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 124 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, प्रबोध सक्सेना (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, पंचायत समिति बैजनाथ के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के नाम निम्न सारणी अनुसार सर्वसाधारण की जानकारी हेतु अधिसूचित करता हूँ :—

क्र० सं०	नाम पंचायत समिति	पद	पदाधिकारी का नाम व डाक पता
1.	बैजनाथ	अध्यक्ष	श्री प्यारे लाल शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री श्याम लाल, निवासी गांव व डाकघर बीड़, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।
		उपाध्यक्ष	श्री समुद्री राम पुत्र श्री होसल राम, निवासी गांव व डाकघर धरेड़, तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

प्रबोध सक्सेना,  
उपायुक्त,  
कांगड़ा स्थित धर्मशाला,  
हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला-171001, 12 मई, 2003

क्रमांक पीसीएन-एसएमएल (11) 162/87-1963-69.—यह कि जिला अंशेक्षण अधिकारी, शिमला द्वारा ग्राम पंचायत कटलाह, विकास खण्ड रोहड़ू का 4/2000 से 3/2002 की अवधि का विशेष अंशेक्षण किया गया तथा अंशेक्षण पत्र अनुसार श्री गोपाल कौशल, प्रधान, ग्राम पंचायत कटलाह, ग्राम पंचायत व जवाहर ग्राम समृद्धि योजना की क्रमशः 2,37,151/- तथा 69,000/- रुपये की धनराशि बतौर पेशगी अनाधिकृत रूप से अपने पास रखने के दोषी पाये गए, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से है :—

1. यह कि ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 101 अनुसार उक्त प्रधान श्री गोपाल कौशल द्वारा माह जनवरी, 2001 में 40,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम किसान भवन मेलडी के निर्माणार्थ प्राप्त की गई थी, परन्तु उक्त योजना का निर्माण कार्य अभी तक भी आरम्भ नहीं करवाया गया है।
2. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 102 अनुसार माह मार्च, 2001 में 5,000/- रुपये तथा रोकड़ पृष्ठ संख्या 111 अनुसार दिनांक 12-11-01 को 6,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम कार्यालय प्रबन्धन हेतु प्राप्त की गई थी, परन्तु ग्राम पंचायत की कार्यवाही पुस्तिका, रसीदों व रोकड़ बही में उक्त राशियों को बतौर अग्रिम प्राप्त करने का न तो कोई उद्देश्य स्पष्ट किया गया है और न ही इन राशियों का हिसाब अभी तक ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को मँपा गया है।
3. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 102 अनुसार माह मार्च, 2001 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय भुगतान हेतु 8,151/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई थी, परन्तु उक्त राशि की अदायगी से सम्बन्धित बिल वाउचर ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी को अभी तक भी नहीं सौंपे गए हैं, जिससे यह प्रतीत होता है कि उक्त प्रधान द्वारा सम्बन्धित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।
4. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 102 अनुसार माह मार्च, 2001 में ग्राम पंचायत निधि से पंचायत घर कटलाह की मुरम्मत हेतु 50,000/- रु० की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई थी, परन्तु मौका पर पंचायत घर की मुरम्मत का कोई कार्य नहीं हुआ है।
5. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 103 दिनांक 14-3-01 को निर्माणाधीन महिला मण्डल भवन कुपड़ी हेतु 8,000/- रुपये निर्माणाधीन महिला मण्डल भवन, कलगांव हेतु 8,000/- रुपये तथा मुरम्मत भवन प्राथमिक पाठशाला, कलगांव हेतु 15,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई थी, परन्तु उक्त दोनों महिला मण्डल भवनों के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने हेतु यह राशियाँ अभी तक भी उपयोग नहीं की गई हैं तथा न ही प्राथमिक पाठशाला, कलगांव की मुरम्मत का कार्य आरम्भ करवाया गया है।
6. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 103, दिनांक 21-3-2001 अनुसार निर्माण रास्ता महिला मण्डल मेलडी, कुपड़ी, कलगांव हेतु

17,640/- रुपये तथा राजकीय उच्च पाठशाला मेलठी के भवन की छत की मरम्मत हेतु 9,360/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई थी, जबकि मौका पर उक्त योजनाओं का कोई कार्य नहीं हुआ है।

7. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 105 अनुसार माह अप्रैल, 2001 में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मेलठी के भवन निर्माण हेतु चैक संख्या 2385201 द्वारा 10,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई थी, परन्तु यह राशि उक्त भवन के निर्माण पर व्यय नहीं की गई है।
8. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की सामान्य रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 107 अनुसार दिनांक 3-5-2001 को 60,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई थी, परन्तु रसीद व रोकड़ बही में उक्त राशि को प्राप्त करने का कोई उद्देश्य स्पष्ट नहीं किया गया है, और न ही राशि के उपयोग से सम्बन्धित बिल बाउचर ग्राम पंचायत को सौंपे गये हैं।
9. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की जवाहर ग्राम समृद्धि योजना के लेखों से सम्बन्धित संधारित रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 27 अनुसार माह फरवरी, 2001 में 25,000/- रु० की राशि तथा रोकड़ पृष्ठ संख्या 28 के अनुसार माह मार्च, 2001 में रास्तों के निर्माण/मरम्मत हेतु मु० 15,000/- रुपये की राशि बतौर अग्रिम प्राप्त की गई थी, परन्तु रसीद व रोकड़ बही में रास्तों का नाम स्पष्ट नहीं किया है तथा न ही उक्त राशियों के उपयोग से सम्बन्धित बिल बाउचर ग्राम पंचायत को सौंपे गये हैं।
10. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत कटलाह की जवाहर ग्राम समृद्धि योजना से सम्बन्धित रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 28 अनुसार दिनांक 3-4-2001 को रास्ता कलगांव की मरम्मत हेतु 10,000/- रुपये की राशि बतौर पेशगी प्राप्त की गई थी, जबकि मौका पर उक्त रास्ते की मरम्मत का कोई कार्य नहीं करवाया गया है।
11. यह कि उक्त प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की जवाहर ग्राम समृद्धि योजना से सम्बन्धित रोकड़ बही के पृष्ठ संख्या 29 अनुसार माह दिसम्बर, 2001 में निर्माण शसु देवता के धाणी (प्राण) निर्माण हेतु 19,000/- रु० की राशि प्राप्त की गई थी, परन्तु मौका पर कोई कार्य नहीं करवाया गया है।
12. यह कि ग्राम पंचायत कटलाह के उप-प्रधान श्री गोपाल चंकरोला तथा सदस्यगण श्री मदन सिंह, सर्व श्रीमती कला शर्मा, आशादत्ता व बब्ली जमाल्टा द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिये गये सामूहिक व्यान अनुसार दिनांक 23-1-2001 को ग्राम पंचायत की हुई बैठक में केवल प्रस्ताव संख्या 1 ही सदस्यों को जपथ दिलाने वारे पारित किया गया था तथा यह प्रस्ताव श्री चरनू राम, पंचायत सहायक द्वारा कार्यवाही पुस्तिका में लिखा गया था, जबकि उक्त प्रधान द्वारा बाद में प्रस्ताव संख्या 2 से 4 विभिन्न स्थाही से क्रमशः मु० 40,000/- रु० व 25,000/- रु० सहकारी बैंक रोहड़ से निकालने व उक्त बैंक को प्रधान को नमूना हस्ताक्षर भेजना लेखबद्ध करवा कर कार्त्तिकार करवाई करके अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त श्री रूप राम, ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी के व्यान अनुसार वह दिनांक 23-1-2001 को ग्राम पंचायत कटलाह की बैठक में उपस्थित ही नहीं था तथा उसकी डियूटी ग्राम पंचायत, शील में थी, जबकि प्रधान ने उस पर दवाव डालकर यह प्रस्ताव उससे कार्यवाही पुस्तिका में बाद में लेखबद्ध करवाये हैं।
13. यह कि ग्राम पंचायत कटलाह के उप-प्रधान श्री गोपाल चंकरोला, सदस्यगण श्री मदन सिंह, सर्व श्रीमती कला शर्मा, आशादत्ता व बब्ली जमाल्टा द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिये गये

सामूहिक ब्यान अनुसार दिनांक 24-2-2001 को ग्राम पंचायत की हुई बैठक में केवल प्रस्ताव संख्या 1 पिछली बैठक का कार्यवाही को पुष्टि करता ही पारित किया गया था, जबकि उक्त प्रधान द्वारा बाद में श्री रूप राम तत्कालीन ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कटलाह पर दबाव डाल कर उसे प्रस्ताव संख्या 2 व 3 निम्न के लिये बाध्य किया गया तथा उक्त फर्जी प्रस्तावों के अन्तर्गत 16,551/- रु 0 व 15,000/- रु 0 की राशि सहकारी बैंक, रोहड़ू से निकालने हेतु फर्जी कार्यवाही करवाई गई है।

14. यह कि ग्राम पंचायत कटलाह के उप-प्रधान श्री गोपाल चंकरोला, सदस्यगण श्री मदन सिंह, सर्व श्रीमती कला शर्मा, आशादत्ता व बन्नी जमालटा द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिये गये सामूहिक ब्यान अनुसार 6-3-2001 की बैठक की कार्यवाही में प्रस्ताव संख्या 1 से 7 ही पारित किये गये थे, जबकि श्री रूप राम तत्कालीन ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कटलाह के ब्यान अनुसार उस पर दबाव डाल कर प्रस्ताव संख्या 8 से 10 उक्त प्रधान श्री गोपाल कोशल द्वारा कार्यवाही पुस्तिका में बाद में लेखवद्ध करवा कर प्रस्ताव संख्या 7 द्वारा पंचायत घर की गुरमन्त हेतु 50,000/- रुपये की राशि स्वीकृत करने, प्रस्ताव संख्या 8 तथा 10 द्वारा क्रमशः 50,000/- तथा 31,000/- व 27,000/- रुपये की राशि सहकारी बैंक, रोहड़ू से निकालने हेतु उसे प्राधिकृत करने और प्रस्ताव संख्या 9 द्वारा 1800/- रुपये की राशि उक्त बैंक से निकालने हेतु श्री चुन्नी राम, पंचायत महायक को प्राधिकृत करने हेतु फर्जी कार्यवाही की गई है।

15. यह कि उप-प्रधान श्री गोपाल चंकरोला तथा सदस्यगण श्री मदन सिंह, सर्व श्रीमती कला शर्मा आशादत्ता व बन्नी जमालटा, ग्राम पंचायत कटलाह द्वारा दिनांक 17-11-2002 को दिए गए सामूहिक ब्यान अनुसार दिनांक 24-3-2001 को हुई बैठक में केवल प्रस्ताव संख्या 1 से 5 ही पारित किए गए थे, जबकि उक्त प्रधान द्वारा श्री रूप राम, ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी के ऊपर दबाव डाल कर व प्रस्ताव संख्या 6 से 8 कार्यवाही पुस्तिका में बाद में लेखवद्ध करवा कर उक्त प्रस्तावों के अन्तर्गत क्रमशः 15,000/-, 10,000/- तथा 10000/- रुपये की राशि सहकारी बैंक, रोहड़ू से निकालने हेतु स्वयं को बैंक से राशियों की निकासी करने हेतु प्राधिकृत करते के लिए फर्जी कार्यवाही की गई है।

यह कि उपरोक्त अनिमितताओं हेतु उक्त श्री गोपाल कोशल प्रधान, ग्राम पंचायत, कटलाह को इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या पी0सी0एच0एस0एम0एल0(10) 162/87-258-62, दिनांक 20-1-2003 द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के अन्तर्गत 15 दिन के भीतर भीतर खण्ड विकास अधिकारी रोहड़ू के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, रोहड़ू द्वारा पत्र संख्या रो0वी0पंच-2003-1203, दिनांक 5-3-2003 के अन्तर्गत उक्त प्रधान, ग्राम पंचायत कटलाह, के स्पष्टीकरण पर जारी टिप्पणी अनुसार श्री गोपाल कोशल प्रधान, ग्राम पंचायत कटलाह का उत्तर तथ्यों पर आधारित नहीं है। इसके अनिश्चित ग्राम पंचायत कटलाह में वर्तमान में कार्यरत ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी श्री दिनेश नेगटा द्वारा दिनांक 3-4-2003 को दिए गए ब्यान अनुसार भी उक्त प्रधान ने ग्राम पंचायत से ली गई अग्रिम राशियों का कोई हिमाचल ग्राम पंचायत को अभी तक नहीं सौंपा है और न ही कार्य आरम्भ किए हैं, जिससे स्पष्ट है कि उक्त श्री गोपाल कोशल, प्रधान, ग्राम पंचायत कटलाह ने अपनी शक्तियों व कर्तव्यों का दुरुपयोग किया है तथा विकास कार्य व ग्राम पंचायत निधि की मु0 3,06,151/- रु 0 की धन राशि का दुरुपयोग/गवन करने तथा कार्यवाही पुस्तिका में फर्जी प्रस्ताव लेखवद्ध करवाने जैसे गम्भीर आरोपों के दोषी पाए गए हैं।

अतः मैं, एस0के0वी0एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, उन शक्तियों के अधीन जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) के साथ गठित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियमावली, 1997 के नियम 142(1)(ख) के अन्तर्गत प्राप्त है का प्रयोग करते हुए श्री गोपाल कोशल,

प्रधान, ग्राम पंचायत, कटलाह, डा0 पुजारली-2, तह0 रोहडू, जिला शिमला को उक्त कृत्य के लिए प्रधान पद से तुरन्त निलम्बित करता हूँ और आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत कटलाह की कोई सम्पत्ति अथवा रिकार्ड हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, कटलाह को सौंप दें।

एस0के0बी0एस0 नेगी,  
उपायुक्त,  
शिमला, जिला शिमला (हि0 प्र0) :

**OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE, SHIMLA, DISTRICT SHIMLA,  
HIMACHAL PRADESH**

**NOTIFICATIONS**

*Shimla-1, the 15th May, 2003*

**No. /ADM(710)/2003-468-79.**—In exercise of the powers vested in me under section 117 of the Motor Vehicles Act, 1988 and other powers enabling me in this behalf I, S.K.B.S. Negi, IAS, District Magistrate, Shimla do hereby make the following orders for smooth regulation of vehicular traffic:—

1. All heavy vehicles/long route buses shall be parked on Bye Pass road between Dhalli Tunnel to ISBT Tutikandi;
2. An area of 50 meters of both sides of the Dhalli Tunnel is declared as 'NO PARKING ZONE';

These orders shall come into force with immediate effect.

*Shimla-1, the 15th May, 2003*

**No. SML-PSH-(Notary Public)/2000-187-89.**—Whereas Shri Vipul Prabhakar, Advocate Districts, Court. Shimla has submitted an application for appointment as a Notary under Rule 4 of the Notaries Rules, 1956 at District Courts Complex, Shimla.

Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in me vide Govt. Notification No. LIR-107-323/56-III, dated 27-9-1977, hereby issue notice under rule 6 of the Notaries Rule, 1956 for the information of all concerned for inviting objections if any, within fourteen days from the date of publication of this notification in respect of appointment of Shri Vipul Prabhakar as a Public Notary at District Hqr., Shimla.

Sd/-  
District Magistrate,  
Shimla.

कार्यालय, जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला, 29 मई, 2003

संख्या पी0 सी0 एच0-एस0 एम0 एल0 (उप0 नि0) 2001-2-113-17.—यह कि जिला शिमला के विकास खण्ड जुब्बल-कोटखाई की ग्राम पंचायत कोट कायना के उप-प्रधान जो सामान्य निर्वाचन, 2000 में निर्वाचित



घोषित हुये थे ने अपने पद से घरेलू परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र दे दिया है। जिसे खण्ड विकास अधिकारी, जुब्बल-कोटखाई के माध्यम से इस कार्यालय को भेजा गया है। खण्ड विकास अधिकारी जुब्बल-कोटखाई ने इस त्याग-पत्र को स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, सत्य पाल, जिला पंचायत अधिकारी, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 130(1) तथा पंचायती राज (सामान्य) नियम के नियम 135 के अन्तर्गत निहित शक्तियों, का प्रयोग करते हुए उपरोक्त पदाधिकारियों के त्याग-पत्र को स्वीकृत करता हूँ।

सत्य पाल,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

मण्डी, 26 मई, 2003

क्रमांक पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-3591-99.—यह कि श्रीमती सुनीता देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत थोना, विकास खण्ड गोपालपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश को इस कार्यालय द्वारा कारण बनाओ नोटिस संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-5887-91, दिनांक 30-10-2002 तथा स्मरण-पत्र संख्या 6242-46, दिनांक 23-11-2002 के अन्तर्गत 15 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे, कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की संशोधित धारा 122 (ण) के अन्तर्गत अपने पद पर पदासीन रहने के अयोग्य मानते हुए पद को रिक्त घोषित किया जाए।

तथा यह कि उक्त पंचायत पदाधिकारी का स्पष्टीकरण अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त हुआ। उक्त पदाधिकारी द्वारा स्थिति स्पष्ट करते हुए अस्वीकार किया है कि उनके केवल दो बच्चे हैं जिनका जन्म दिनांक 8-6-2001 से पूर्व हो चुका है।

दिनांक 5-1-2003 को सम्पन्न हुई ग्राम सभा की बैठक में कोरम पूर्ण होने पर प्रस्ताव संख्या 4, दिनांक 5-1-2003 को पारित किया गया है, जिसमें उक्त प्रधान, श्रीमती सुनीता देवी के तीसरे बच्चे का जन्म दिनांक 25-9-2002 को होने का उल्लेख किया गया है। तथा प्रस्ताव को प्रधान द्वारा सत्यापित किया गया है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जन्मावृत्ति रक्षक कार्ड में बच्चे का जन्म दिनांक 25-9-2002 को होने की पुष्टि की गई है तथा बच्चे के जन्म उपरान्त जीवन रक्षक टीके भी दिनांक 6-10-2002 तथा 13-11-2002 को लगाए गए हैं। कार्ड पर प्रधान, श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री रामेश्वर का नाम अंकित किया गया है।

यह कि उक्त पंचायत पदाधिकारी को जिला पंचायत अधिकारी, मण्डी द्वारा अपने पत्र संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-342-44, दिनांक 20-1-2003 के अन्तर्गत तीसरे बच्चे के जन्म बारे 10 दिनों के भीतर-भीतर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए थे, परन्तु कोई उत्तर प्राप्त न होने की दशा में उक्त अधिकारी द्वारा पुनः पत्र समसंख्यक 1878-79, दिनांक 9-4-2003 के अन्तर्गत एक सप्ताह के भीतर-भीतर तीसरे बच्चे के जन्म बारे स्थिति स्पष्ट करें। उत्तर प्राप्त न होने की दशा में प्रधान पद से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा तथा पद को भी रिक्त कर दिया जाएगा। उक्त प्रधान का उत्तर प्राप्त न होने पर जिला पंचायत अधिकारी, मण्डी द्वारा प्रधान को एक और अवसर देते हुए अपने स्मरण-पत्र संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-2270, दिनांक 5-5-2003 के अधीन 7 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में तीसरे बच्चे के जन्म बारे स्थिति स्पष्ट करें, उत्तर प्राप्त न होने पर अधिनियम व नियमों के अधीन कार्यवाही आरम्भ कर दी जाएगी।

यह कि उपरोक्त पंचायत पदाधिकारी द्वारा जिला पंचायत अधिकारी, मण्डी के उक्त समस्त पत्रों का कोई लिखित उत्तर कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है, जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम व नियमों के विरुद्ध है तथा उत्तर न देने से प्रतीत होना है कि आप दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त तीसरे बच्चे के जन्म होने को मानती हैं।

अतः मैं, जे० पी० सिंह (भा० प्र० से०), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी (हि० प्र०) उन शक्तियों का प्रयोग करते हुये जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व 122 (2) के अन्तर्गत प्राप्त है, श्रीमती सुनीता देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत थोना, विकास खण्ड गोपालपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश को तत्काल अपने पद पर पदासीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ। तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) व (2) के प्रावधान की अनुपालना में ग्राम पंचायत थोना, विकास खण्ड गोपालपुर, जिला मण्डी के प्रधान के पद को भी रिक्त घोषित करता हूँ।

कारण बताओ नोटिस

मण्डी, 30 मई, 2002

संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2601-3647-51.—यह कि अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच उप-मण्डल अधिकारी (ना०), गोहर के माध्यम से करवाई गई। शिकायत की जांच/छानबीन रिपोर्ट तहसीलदार, थुनाग द्वारा व्यानाल व विस्तृत टिप्पणियों सहित इस कार्यालय में प्राप्त हुई है। रिपोर्ट के अनुसार श्री मोहर सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत थुनाग, विकास खण्ड सराज, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश द्वारा सरकारी भूमि खसरा नं० 609/572 क्षेत्रफल 3-16-4 बीघा पर गांव वैहल, तहसील थुनाग, जिला मण्डी में अवैध कब्जा कर रखा है।

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) के प्रावधान अनुसार किसी व्यक्ति द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के कारण पंचायती राज संस्था का पदाधिकारी चुन जाने या पदासीन रहने के लिये अयोग्य होगा।

अतः मैं, जे० पी० सिंह (भा० प्र० से०), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश एतद्वारा आपको आदेश देता हूँ कि उपरोक्त के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिन के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें, कि क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) व 122(2) के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लाते हुए आपको प्रधान पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित किया जाये।

मण्डी, 31 मई, 2003

संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-3657-61.—यह कि इस कार्यालय में प्राप्त शिकायत की जांच उप-मण्डल अधिकारी (ना०), करसोग के माध्यम से करवाई गई। शिकायत की जांच/छानबीन रिपोर्ट तहसीलदार, करसोग द्वारा विस्तृत टिप्पणियों सहित इस कार्यालय में प्राप्त हुई है। रिपोर्ट के अनुसार श्री देवी दत्त, प्रधान, ग्राम पंचायत, करसोग विकास खण्ड करसोग, जिला मण्डी द्वारा सरकारी भूमि मुहाल खनोरा/414 के खसरा नं० 2/1, 2/2, रकबा तादादी 0-6-15 बीघा पर अवैध कब्जा कर रखा है।

हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) के प्रावधान अनुसार किसी व्यक्ति द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के कारण पंचायती राज संस्था का पदाधिकारी चुने जाने या पदासीन रहने के लिये अयोग्य होगा।

अतः मैं, जे० पी० सिंह (भा० प्र० से०), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी एतद्वारा आपको निर्देश देता हूँ कि उपरोक्त के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिन के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें, कि क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) व 122(2) के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लाते हुये आपको प्रधान पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित किया जाये।

मण्डी, 31 मई, 2003

क्रमांक पी० सी० एन०-एम० एन० डी०/2001-3652-56.—यह कि अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच उप-मण्डल अधिकारी (ना०), गोहर के माध्यम से करवाई गई। शिकायत की जांच/छानबीन रिपोर्ट तहसीलदार, थुनाग द्वारा व्यानात व विस्तृत टिप्पणियों सहित इस कार्यालय में प्राप्त हुई है। रिपोर्ट के अनुसार श्री राज कुमार, वाई पंच, ग्राम पंचायत थुनाग, विकास खण्ड सराज, जिला मण्डी द्वारा सरकारी भूमि खसरा नं० 136/1 क्षेत्रफल 2-2-2 बीघा मुहाल बेहल, तहसील थुनाग में अवैध कब्जा जर रखा है।

हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ग) के प्रावधान अनुसार किसी व्यक्ति द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के कारण पंचायती राज संस्था का पदाधिकारी चुने जाने या पदासीन रहने के लिए अयोग्य होगा।

अतः मैं, जे० पी० सिंह (भा० प्र० से०), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी एतद्वारा आपको निर्देश देता हूँ कि उपरोक्त के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण इस कारण बताओ नोटिस की प्राप्ति के 15 दिन के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्राप्त हो जाना चाहिए कि क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ग) व 122 (2) के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लाते हुए, आपको पंच पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित किया जाए।

जे० पी० सिंह,  
उपायुक्त,  
मण्डी, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

